दैनिक
नवश्रेय टाईम्स

PRGI No._RJHIN/25/A0587

सम्पर्क सूत्र
दैनिक नवश्रेय टाईम्स में समाचार, विज्ञापन और सूचनाएं प्रकाशित करवाने के लिए सम्पर्क करें:-
मो. 9602240956
Email-
navshreyatimes@gmail.com

वर्ष : 01 | अंक : 27 | जयपुर, गुरुवार, 28 अगस्त 2025 | प्रभात संस्करण | मूल्य: 2 रु. | कुल पृष्ठ : 4

भारी बारिश के कारण एक दिन निलंबन के बाद जम्मू से ट्रेन सेवाएं बहाल

वैष्णो देवी मंदिर के पास भूस्खलन में 32 लोगों की मौत

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

जम्मू-कश्मीर के कटरा में वैष्णो देवी मंदिर के पास भारी बारिश के कारण मंगलवार को हुए भूस्खलन में 32 लोगों की मौत हो गई है। रियासी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमवीर सिंह ने यह जानकारी दी।भूस्खलन वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर स्थित अधक्कारी गुफा मंदिर में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अधक्कारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन की घटना हुई है, कुछ लोगों के घायल होने की आशंका है। आवश्यक जनशक्ति और मशीनरी के साथ बचाव अभियान जारी है।अधिकारियों ने बताया कि चक्की नदी में मिट्टी के कटाव और अचानक आई बाढ़ के बाद पठानकोट कैंट और कंड्रोरी के बीच डाउन लाइन पर यातायात बाधित होने के कारण 18 ट्रेनें रद्द कर दी गई।इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि घटना के तुरंत बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें घटनास्थल पर पहुँच गई थीं। इस संबंध में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा जी से बात की है।

स्थानीय प्रशासन घायलों की सहायता के लिए राहत और बचाव कार्य में लगा हुआ है और एनडीआरएफ की टीम भी वहाँ पहुँच रही है।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने कहा कि अधिकारी भारी बारिश के बीच जम्मू संभाग में स्थिति पर नज़र रख रहे हैं।

राहत सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का सी-130 विमान पहुंचा जम्मू

माता वैष्णो देवी तीर्थ मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन से प्रभावित लोगों को सहायता के लिए राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का सी-130 परिवहन विमान बुधवार को जम्मू पहुंचा है।सूत्रों ने बताया कि एनडीआरएफ का सामान लेकर सी-130 परिवहन विमान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन वायुसेना स्टेशन से जम्मू पहुंचा है। इसके अलावा चिनूक और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और पठानकोट के नजदीकी ठिकानों पर सक्रिय स्टैंडबाय पर हैं।अधिकारियों ने बताया कि अर्धकुंवारी के पास वैष्णो देवी मार्ग पर बचाव अभियान जारी है जहां मंगलवार को भूस्खलन हुआ था जिसमें अब तक 32 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है और 20 अन्य घायल हैं। इसी बीच निचले इलाकों से हजारों लोगों को निकाला गया है क्योंकि बुधवार को चौथे दिन भी बारिश जारी है जिससे जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में तबाही मच गई है।

मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं : पीएम मोदी ने वैष्णो देवी भूस्खलन पर दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर रूट पर भूस्खलन के कारण मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही, पीएम मोदी ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जान-माल की हानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना करता हूं।भारी बारिश के बीच श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रूट पर मंगलवार को भूस्खलन की घटना हुई। अर्धकुवारी के नजदीक पहाड़ी से गिरे पत्थरों और मलबे ने रूट को प्रभावित किया। हादसे में अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, भूस्खलन और भारी बारिश के बाद श्री माता वैष्णो देवी यात्रा रोक दी गई है।एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि 30 लोगों की मौत होने और 15 लोगों के घायल होने की जानकारी है। उन्होंने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। स्थानीय प्रशासन के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हैं। मौसम में सुधार होने से कार्रवाई में तेजी आएगी और जल्द स्थिति सामान्य होगी। जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन पर डीआईजी मोहसेन शाहेदी ने कहा कि दूरस्थ और सीमावर्ती इलाकों में भी भारी बाढ़ आई है, जिसके कारण एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। सीमावर्ती इलाकों में कई बचाव अभियान चलाए गए। एक जगह बीएसएफ के जवान फंसे हुए थे, जिन्हें वहां से सुरक्षित निकाला गया है। उन्होंने बताया कि अखनूर, सांबा और रियासी इलाके में लगातार ऑपरेशन चल रहा है। दिल्ली से एनडीआरएफ की 4 टीमों को भेजा गया है। 4 टीमें लुधियाना से रवाना की गईं, जिन्हें सांबा और जम्मू में तैनात किया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

महासागर विकास पर तटीय राज्यों के क्षमता निर्माण पर कल कोच्चि में कार्यशाला आयोजित

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय का राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) केरल के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीइएस) के सहयोग से 29 अगस्त, 2025 को केरल के कोच्चि में महासागर लेखांकन विकास के लिए तटीय राज्यों की क्षमता निर्माण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण-आर्थिक लेखांकन प्रणाली (एसईईए) के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय दायित्व को पूरा करने के लिए तटीय राज्यों को महासागर लेखांकन के लिए प्रोत्साहित करना है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 22 जनवरी, 2025 को ओशियन इकोसिस्टम अकाउंट्स इन इंडिया- ए फ्रेमवर्क रिपोर्ट भी जारी की है। यह विभिन्न महासागरीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के विस्तार, उनकी स्थिति, सेवाओं और परिसंपत्ति लेखांकन के अंतर्गत मापदंडों पर पारिस्थितिक और आर्थिक डेटा को एकीकृत करने का मार्ग प्रदान करता है, तथा भारत में सतत महासागर प्रबंधन के साथ विकास को संतुलित करने वाले सूचित निर्णय लेने में सुविधा प्रदान करता है।इस कार्यशाला में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय (डीइएस), राज्य मत्स्य विभाग, सभी तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य पर्यटन विभाग, भारत में महासागर पारिस्थितिकी तंत्र लेखांकन पर विशेषज्ञ समूह के सदस्य और महासागरीय गतिविधियों में संलग्न प्रतिष्ठित संगठनों सहित विभिन्न हितधारक भाग लेंगे।इस कार्यक्रम में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव, केन्द्रीय सांख्यिकी के महानिदेशक और केरल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।तकनीकी सत्र-द्व में संदर्भ स्थापित करने और पर्यावरण-आर्थिक लेखांकन प्रणाली की रिपोर्ट ओशियन इकोसिस्टम अकाउंट्स इन इंडिया- ए फ्रेमवर्कऔर महासागर लेखांकन में सर्वोत्तम वैश्विक विधियों के अवलोकन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस सत्र में केरल तट के लिए विशिष्ट डेटा उपलब्धता और महासागर लेखांकन के लिए इसके उपयोग में आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के लिए बोली लगाने के लिए मंजूरी दी

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल (सीडब्ल्यूजी) 2030 के लिए बोली प्रस्तुत करने के लिए युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने सम्बंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटी के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता के लिए भी मंजूरी दे दी। राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के एथलीट भाग लेंगे। खेलों के दौरान भारत आने वालों में बड़ी संख्या में एथलीट, कोच, तकनीकी अधिकारी, पर्यटक, मीडियाकर्मी और अन्य लोग भी शामिल होंगे। इससे स्थानीय व्यवसायों को लाभ होगा और राजस्व में वृद्धि होगी। अहमदाबाद विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और एक जोशीली खेल संस्कृति वाला आदर्श मेज़बान शहर है। 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फ़ाइनल की सफलतापूर्वक मेज़बानी करने वाला नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है। खेलों के अलावा, भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, रोज़गार के अवसर पैदा होंगे और लाखों युवा एथलीटों को प्रेरणा मिलेगी। इसके अलावा, खेल विज्ञान, आयोजन संचालन एवं प्रबंधन, रसद एवं परिवहन समन्वयक, प्रसारण एवं मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, जनसंपर्क एवं संचार तथा अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में पेशेवरों को अवसर मिलेंगे। इस तरह के विश्व-प्रतिष्ठित आयोजन से राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना प्रबल होगी। इस आयोजन में देश के सभी हिस्सों के लोग शामिल होंगे जिससे हमारे राष्ट्र का मनोबल बढ़ेगा। यह खिलाडियों की नई पीढ़ी को खेलों को एक करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा और सभी स्तरों पर खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

आत्मनिर्भरता अब केवल एक नारा ही नहीं है, यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का अटूट आधार है
मौजूदा तकनीक में निपुणता हासिल करना और नए नवाचारों तथा अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहना ही आधुनिक युद्ध की जटिलताओं से प्रभावी ढंग से निपटने में अत्यंत महत्वपूर्ण है : रक्षा मंत्री

- **राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सशस्त्र बलों का विषय नहीं रह गया है; यह पूरे राष्ट्र के दृष्टिकोण का मुद्दा बन चुका है**
- **राजनाथ सिंह ने बहु-क्षेत्रीय परिचालन एवं प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य और कैपेबिलिटी रोडमैप के लिए संयुक्त मत जारी किया**

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आधुनिक समय में युद्ध की बढ़ती जटिलताओं और अप्रत्याशितता के पीछे प्रौद्योगिकी एवं आश्चर्य के सम्मिश्रण को मुख्य कारण बताते हुए नए नवाचारों तथा अप्रत्याशित चुनौतियों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने मौजूदा प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल करने की भी आवश्यकता जताई है ताकि समय के साथ आगे रहते हुए चला जा सके। रक्षा मंत्री 27 अगस्त, 2025 को मध्य प्रदेश के डॉ. आंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में युद्ध, संघर्ष और युद्ध लड़ने की कला पर आयोजित अपनी तरह के पहले त्रि-सेवा सम्मेलन रण संवाद को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब भूमि, समुद्र और हवा तक सीमित नहीं रह गए हैं; अब वे अंतरिक्ष व साइबरस्पेस तक फैल गए हैं।

उन्होंने कहा कि उपग्रह प्रणालियां, उपग्रह-रोधी हथियार और अंतरिक्ष कमान केंद्र शक्ति के नए साधन हैं। आज हमें सिर्फ रक्षात्मक तैयारी की ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीति की भी आवश्यकता है। सिंह ने कहा कि भविष्य के युद्ध मात्र हथियारों की लड़ाई से नहीं होंगे; बल्कि वे तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का मिला-जुला रूप होंगे। इससे हमारा राष्ट्र प्रौद्योगिकी, रणनीति एवं अनुकूलनशीलता के त्रिकोण में निपुण होगा और वह समृद्ध वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह इतिहास से सीखने और नया इतिहास लिखने का वक्त है; यह भविष्य का अनुमान लगाने तथा उसे आकार देने का समय है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अब केवल सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडार का आंकड़ा ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि साइबर युद्ध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , मानव रहित हवाई यान और उपग्रह आधारित निगरानी भी भविष्य के युद्धों को आकार दे रहे हैं। उन्होंने सटीक निर्देशित हथियारों, वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और डेटा-संचालित सूचना को किसी भी युद्ध में सफलता की कुंजी बताया। सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी इतनी तेजी से आगे बढ़ रही है कि जब तक हम एक नवाचार को पूरी तरह समझ पाते हैं, तब तक दूसरा उभर आता है । जो युद्ध की दिशा को पूरी तरह बदल देता है। उन्होंने कहा कि मानवरहित हवाई वाहन, हाइपरसोनिक मिसाइलें, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित निर्णय प्रक्रिया ऐसे उपकरणों के उदाहरण हैं, जो आधुनिक समय के संघर्षों में अप्रत्याशित बदलाव ला रहे हैं। इस तथ्य की सबसे खास बात यह है कि अब इसका कोई स्थायी रूप नहीं रह गया है। यह सदैव बदलता रहता है और अपने साथ अनिश्चितता लेकर चलता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह अनिश्चितता ही है ।

सीडीएस ने रण संवाद में विशेष बलों के संचालन और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न अभियानों के लिए संयुक्त सिद्धांत जारी किए

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 27 अगस्त, 2025 को मध्य प्रदेश के डॉ. अंबेडकर नगर स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित त्रि-सेवा सेमिनार 'रण संवाद' के दौरान विशेष बल और एयरबोर्न एवं हेलीबोर्न संचालन के लिए संयुक्त सिद्धांतों का विमोचन किया।

कार्यक्रम में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।तीनों सेनाओं की सक्रिय भागीदारी से एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के डॉक्ट्रिन डायरेक्टरेट के तत्वावधान में तैयार किए गए ये सिद्धांत विशेष बल मिशनों और हवाई अभियानों के संचालन के लिए मार्गदर्शन, परिचालन अवधारणाओं और अंतर-संचालन ढांचे को निर्धारित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने तीनों सेनाओं की पेशेवराना अंदाज, अनुकूलनीयता और परस्पर जुड़ाव को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की तथा कहा कि ये सिद्धांत उभरते युद्धक्षेत्र में योजनाकारों, कमांडरों और ऑपरेटरों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ के रूप में काम करेंगे।

इन सिद्धांतों का प्रकाशन संयुक्त परिचालन क्षमता को बढ़ाने, सभी सेनाओं में तालमेल लाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सटीकता और दृढ़ता के साथ सामना करने की तत्परता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये सिद्धांत पर उपलब्ध हैं।

CMYK

संपादक की कलम से....

कब थमेगा दहेज की आग में जलता स्त्री जीवन

रेखा गौड संपादक
दैनिक नवश्रेय टाइम्स

आज के आधुनिक युग में जब महिलाएँ विज्ञान, शिक्षा, राजनीति और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं, तब भी समाज में दहेज प्रथा जैसी कुरीति महिलाओं के जीवन के लिए खतरा बनी हुई है। दहेज प्रथा भारतीय समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। यह केवल एक प्रथा नहीं बल्कि महिलाओं के जीवन के लिए खतरा बन चुकी है।

समाज ने स्त्रियों को लक्ष्मी और शक्ति का स्वरूप माना है, लेकिन विडंबना यह है कि दहेज की वजह से वही स्त्री असुरक्षित है।दहेज के लोभ में महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार करना, उन्हें प्रताड़ित करना और यहाँ तक कि हत्या कर देना समाज के माथे पर एक कलंक है। आए दिन यह पढ़ने-सुनने को मिलता है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर किसी नवविवाहिता को जिंदा जला दिया गया या प्रताड़ना से उसकी जान ले ली गई। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि इंसानियत के मूल्यों पर भी गहरा आघात है। दहेज हत्या केवल एक महिला की मृत्यु नहीं है, बल्कि एक पूरे परिवार की उम्मीदों का टूटना है। दहेज हत्या को रोकने के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 304-बी तथा दहेज निषेध अधिनियम बनाए गए हैं।

इन कानूनों के अंतर्गत दोषियों को कठोर सजा का प्रावधान है। लेकिन समाज में व्याप्त डर की कमी और पीड़िता के परिवार का सामाजिक दबाव में चुप रह जाना, इन कानूनों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। हालहि में सिरसा गांव में एक महिला को उसका पति और ससुराल के अन्य लोग लगातार दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित करते थे, जबकि महिला के मायके से ज्यादातर मांग पूरी की गई।

मगर जब व्यक्ति पर बेलगाम लालच हावी हो जाता है, तब उसके क्रूर हो जाने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। छत्तीस लाख रुपए की नई मांग आखिरकार इस नतीजे तक पहुंची कि महिला को उसके पति ने यातना देते हुए जिंदा जला कर मार डाला, ये अत्यंत ही निंदनीय कृत्य है। भारतीय समाज में दहेज प्रथा सदियों पुरानी है। विवाह को लेन-देन का सौदा मानने की मानसिकता ने इसे और गहरा कर दिया।

बेटी के विवाह को परिवार पर बोझ समझना और अधिक से अधिक दहेज पाने की लालसा ने इस प्रथा को भयावह रूप दे दिया है। हमें यह समझना होगा कि विवाह लेन-देन का सौदा नहीं है। यदि बेटियों को शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान मिलेगा तो वे समाज में मजबूती से खड़ी होंगी।

वहीं दूसरी ओर समाज को जागरूक होकर दहेज मांगने वालों का बहिष्कार करना होगा।

दहेज हत्या केवल एक महिला की हत्या नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की संवेदनाओं की हत्या है। हमें यह समझना होगा कि बेटी बोझ नहीं, परिवार का अभिमान है। जब तक समाज दहेज की इस कुप्रथा से मुक्ति नहीं पाएगा, तब तक महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान अधूरा रहेगा।

दहेज की मांग करने वाला ही असली अपराधी है। आइए, संकल्प लें कि हम दहेज मुक्त समाज का निर्माण करेंगे और महिलाओं को उनका वास्तविक सम्मान देंगे। कानून सख्त हैं, लेकिन केवल कानून से बदलाव नहीं आएगा। असली परिवर्तन तभी होगा जब हम सब मिलकर दहेज प्रथा को न कहेंगे।

भगवान गणेश का आशीर्वाद आत्मबल देता है, उसी से सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है : मदन राठौड़

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

भाजपा राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राजधानी जयपुर स्थित विश्वविख्यात मोती डूंगरी गणेश मंदिर में गणपति बाप्पा के दर्शन कर प्रदेशवासियों और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने भगवान गणेश जी की आराधना करते हुए कहा कि आज का यह पावन क्षण जीवन का अमूल्य सौभाग्य है। यहाँ अपार श्रद्धा के साथ हजारों भक्तजन उपस्थित रहे और सभी ने भक्ति भाव से दर्शन कर पुण्य लाभ पाया।

दर्शन के उपरांत मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा ÷जब भी हम किसी मंदिर में जाते हैं और भगवान के दर्शन करते हैं, तो मन में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है। ईश्वर का आशीर्वाद हमारे आत्मबल को कई गुना बढ़ा देता है। वही आत्मबल हमें हर कठिनाई को पार करने की शक्ति देता है। आज मैंने भगवान गणेश जी से प्रार्थना की है कि राजस्थान समृद्ध हो, हर नागरिक का जीवन स्तर ऊँचा और सुदृढ़ बने, हर परिवार सुखी रहे और भारत का गौरव विश्व भर में बढ़े।÷ प्रदेश अध्यक्ष ने इस अवसर पर जयपुर की परंपरा और आस्था का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि जयपुर की सबसे भव्य और विशाल गणेश शोभायात्रा यहीं से प्रारंभ होती है। इस शोभायात्रा में न केवल जयपुरवासी बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों से आए भक्तजन भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का प्रतीक है।उन्होंने मीडिया और समाज को संदेश देते हुए कहा÷नई पीढ़ी को संस्कारवान और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ना बेहद आवश्यक है। आप सबके माध्यम से यह भक्ति और संस्कृति का संदेश घर-घर तक पहुँचे। भगवान गणेश केवल विघ्नहर्ता ही नहीं, अपितु नए मार्गदर्शक भी हैं। जब समाज में भक्ति, संस्कार और एकता होती है, तो विकास की राह स्वतः प्रशस्त हो जाती है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक प्रणामी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ जी का यह दर्शन और प्रार्थना प्रदेश की जनता के लिए शुभ संकेत है।

अंत में राठौड़ ने प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भगवान गणेश जी से यही प्रार्थना है कि वे हमारे नेतृत्व को शक्ति प्रदान करें, राजस्थान को प्रगति के मार्ग पर अग्रसर करें और भारत को विश्व पटल पर और अधिक गौरव दिलाएँ।

न्यूज़ ब्रीफ

देवस्थान मंत्री ने किए विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन, प्रदेश की खुशहाली के लिए की कामना

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणेश चतुर्थी का पर्व सामाजिक एकता, सौहार्द्र और लोक संस्कृति के संवर्धन का विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता बुद्धि, विवेक, समृद्धि और सौभाग्य के अधिष्ठाता देव भगवान गणेश की पूजा, आराधना का उत्सव है। श्रद्धा, विश्वास और उत्साह का प्रतीक है। गणेश चतुर्थी का उत्सव हम सबको ज्ञान, संयम और सकारात्मक दृष्टिकोण से सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। विघ्नहर्ता भगवान गणेश से मैं प्रार्थना करता हूं कि वे व्यक्ति-निर्माण तथा राष्ट्र-निर्माण के मार्ग की सभी बाधाओं को दूर करते रहें तथा उनके आशीर्वाद से सभी प्रदेशवासी, पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली अपनाते हुए, सशक्त प्रदेश के निर्माण में निष्ठा के साथ कार्यरत रहें।

सांसद मंजू शर्मा ने की सम्राट गेट पर विराजित गणेशजी की पूजा अर्चना

■ गणेशजी से की प्रदेश और देश की समृद्धि व खुशहाली की कामना

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को गुलाबी नगर के सम्राट गेट (ब्रह्मपोल) पर विराजित भगवान श्रीगणेश जी की विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रदेश और देश की सुख समृद्धि की कामना की।

श्री गणेश पूजन समिति जयपुर की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति(माताएं और बहनें) भी शामिल हुईं। उन्होंने सांसद मंजू शर्मा पर पुष्प वर्षा की और गणेश जी के जयकारे लगाए। पूजा अर्चना के बाद सांसद मंजू शर्मा ने माताओं व बुजुर्गों के पांव छूकर आशीर्वाद लिया।

'शंखनाद और बैंडबाजे के साथ महाआरती' सम्राट गेट पर गणेश पूजन में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए। शंखनाद और बैंडबाजे के साथ गणेशजी की महाआरती की गई। बैंडबाजे की सुमधुर स्वरलहरियों से माहौल भक्तिमय हो गया।

इस दौरान पार्षद विमल अग्रवाल , गणेश पूजन समिति की संयोजक मीना मूलचंदानी ने सांसद की अगुवाई करके स्वागत किया। इससे पहले सांसद शर्मा ने सांघी अपार्टमेंट सांसद कार्यालय में गणेशजी की पूजा अर्चना की।

ऋषि पंचमी आज-होगा सप्त ऋषियों का पूजन

ऋषि पंचमी पर कई समाज मनाएंगे रक्षा बंधन, ब्रज निधि मंदिर से कलश यात्रा के साथ शोभायात्रा का होगा आयोजन

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी ऋषि पंचमी के रूप में मनाई जाएगी। जल स्त्रोत के किनारे सप्त ऋषियों की पूजा कर जाने-अनजाने में की गई गलतियों की क्षमा याचना की जाएगी। पूजा- अर्चना के बाद श्रावणी कर्म किया जाएगा। ज्ञात-अज्ञात पापों की निवृत्ति के लिए हेमाद्री संकल्प कर दशविध स्नान किया जाएगा। इसके बाद मुनि वशिष्ठ, कश्यप, विश्वामित्र, अत्रि, जमदग्नि, गौतम और भारद्वाज सप्त ऋषियों का आह्वान कर पुरानी जनेऊ उतार कर नया जनेऊ धारण किया जाएगा।ज्ञात-अज्ञात पापों की निवृत्ति के लिए हेमाद्री संकल्प कर दशविध स्नान किया जाएगा। इसके बाद मुनि वशिष्ठ, कश्यप, विश्वामित्र, अत्रि, जमदग्नि, गौतम और भारद्वाज सप्त ऋषियों का आह्वान कर पुरानी जनेऊ उतार कर नया जनेऊ धारण किया जाएगा।

'कई समाज मनाएंगे रक्षाबंधन' ऋषि पंचमी को माहेश्वरी, पारीक, दाधीच, हरियाणा गौड़ ब्राह्मण श्रीमाली समाज रक्षाबंधन का पर्व मनाएगा। बहने भाइयों की लंबी उम्र की कामना करते हुए राखी बांधेगी। ऋषि पंचमी पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर तहसील की ओर से चांदनी चौक स्थित ब्रज निधि मंदिर से शोभायात्रा और कलश यात्रा निकाली जाएगी। बहने भाइयों की लंबी उम्र की कामना करते हुए राखी बांधेगी। ऋषि पंचमी पर अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा जयपुर तहसील की ओर से चांदनी चौक स्थित ब्रज निधि मंदिर से शोभायात्रा और कलश यात्रा निकाली जाएगी। गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा बड़ी चौपड़ होते हुए रामगंज के धाभाई का खुर्रा स्थित चतुर्भुज जी मंदिर पहुंचेगी। यहां हारित ऋषि का पूजन किया जाएगा।

'कई स्थानों पर होंगे उपनयन संस्कार' ऋषि पंचमी पर आस्था सांस्कृतिक संस्था, सरस्वती प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान एवं मंदिर श्री रघुनाथ जी के तत्वावधान में महंत हरिशंकर दास महाराज के सानिध्य में ढहर का बालाजी स्थित सियाराम बाबा की बगीची में सुबह 9 बजे उपनयन संस्कार कराया जाएगा।

गणेश स्मरण, जलाशय कर्म, दशविध स्नान, ऋषि तर्पण, हेमाद्रि संकल्प, ऋषि अर्चन के बाद नूतन यज्ञोपवीत धारण कराया जाएगा। ब्राह्मण बालकों का निःशुल्क उपनयन संस्कार कराया जाएगा।

गीता गायत्री मंदिर: गणेश जी महाराज को लगाया लड्डू और चूरमे का भोग

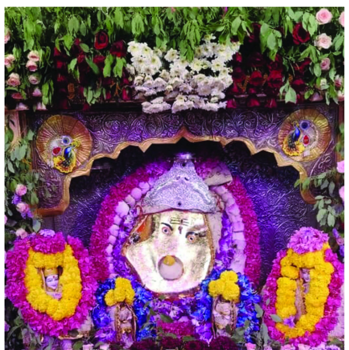

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

गलता गेट स्थित मंदिर श्री गीता गायत्री जी पंडित राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया । मंदिर प्रवक्ता नीतीश चैतन्य चतुर्वेदी ने बताया की। गणेश जी महाराज का पंचामृत से अभिषेक कर नवीन चोला धारण कराया । गणेश जी महाराज के लड्डुओं की झांकी सजाकर चूरमे का भोग लगाया । भक्तों ने गणेश जी महाराज की झांकी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की जन्मोत्सव मौके बैंड वादन के साथ प्रथम पूज्य की महाआरती हुई भजन संध्या मे स्थानीय भजन गायको के द्वारा गणेश जी का गुणगान हुआ । गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर को विशेष फूलों और बंदरवाल लाइटिंग से सजाया गया।

गोविंद देवजी मंदिर में राधाष्टमी महोत्सव प्रारंभ

श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने किया राधा -रानी का गुणगान

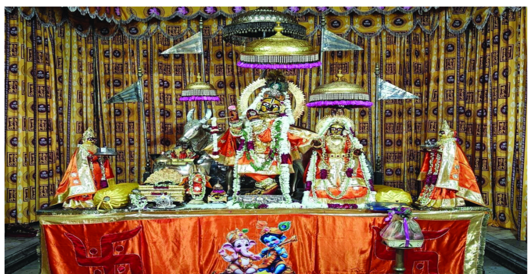

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में बुधवार को राधाष्टमी महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल के सदस्यों ने राधा रानी का गुणगान किया। बधाइगान के भजनों पर श्रद्धालुओं ने भाव विह्वल होकर नृत्य किया। इस मौके पर विशेष झांकी सजाई गई। सुबह मंगला झांकी के बाद ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक कर नवीन केसरिया रंग की लंपा पोशाक धारण कराई गई। विशेष अलंकार से श्रृंगार किया गया। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि 28 अगस्त सुबह बरसाना के सौरभ शर्मा और उनके साथी भजन-कीर्तन करेंगे। शाम को श्री राधा गोविन्द सखी परिवार की महिलाएं किशोरी जी को रिझाएंगी।

29 अगस्त को सुबह श्री श्याम भजन संध्या परिवार सेवा समिति की ओर से और शाम को श्री श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से भजन कीर्तन होगा। 30 अगस्त को बंगाली महिला मंडल की ओर से अष्टप्रहर नाम संकीर्तन होगा। मुख्य आयोजन 31 अगस्त को होगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में राधाजी का अभिषेक किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शोभायात्रा के दौरान किया गया यातायात व्यवस्था में बदलाव

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

गणेश चतुर्थी के अवसार पर गुरूवार को शोभायात्रा सांयकाल गणेश जी मन्दिर से रवाना होकर मोती डूंगरी रोड़, सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, ब्रह्मपुरी होते हुये गढ गणेश मन्दिर पहुंचकर विसर्जित होगी। शोभायात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुव्यवस्थित बनाने हेतु यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी ।

'डायवर्जन व्यवस्था' शोभायात्रा के मार्ग पर चलने वाले यातायात को 15 मिनट पूर्व डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जाएगा। शोभायात्रा के दौरान त्रिमूर्ति सर्किल से जे.डी.ए. चौराहा के बीच, आर.बी.आई तिराहा से गणेश मंदिर के बीच तख्तेशाही रोड़, धर्मसिंह सर्किल से गणेश मंदिर की तरफ वाहनों का आवागमन निषेद्य रहेगा। वाहनो को आवश्यकतानुसार समानान्तर मार्गो पर डायवर्ट किया जायेगा। शोभायात्रा के धर्मसिंह सर्किल पहुँचने से पूर्व गोविन्द मार्ग से त्रिमूर्ति सर्किल की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को गुरुद्वारा मोड से घाटगेट चौराहा की तरफ एवं राजापार्क चौराहा से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के धर्मसिंह सर्किल पहुँचने से पूर्व त्रिमूर्ति सर्किल से धर्मसिंह सर्किल की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को त्रिमूर्ति सर्किल से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।नारायण सिंह सर्किल से त्रिमूर्ति सर्किल की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को नारायण सिंह सर्किल आवश्यकतानुसार डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के मिनर्वा चौराहा पहुँचने से पूर्व गुरुद्वारा मोड से मिनर्वा चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को गुरुद्वारा मोड से गोविन्द मार्ग की तरफ एवं घाटगेट चौराहा से घाट बाजार एवं मुक्ति मार्ग की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के मिनर्वा चौराहा पहुँचने से पूर्व यादगार तिराहा से मिनर्वा चौराहा की तरफ जाने वाले सामान्य यातायात को रामनिवास बाग चौराहा से रामनिवास बाग के अन्दर एंव चौडा रास्ता में तथा यादगार तिराहा से टोंक रोड पर डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के सांगानेरी गेट पर पहुँचने से पूर्व बडी चौपड की तरफ से सांगानेरी गेट की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को बडी चौपड से त्रिपोलिया व रामगंज की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। बापू बाजार से जौहरी बाजार में आने वाले सामान्य यातायात को न्यूगेट चौराहा से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के बडी चौपड पर पहुंचने से पूर्व सुभाष चौक की तरफ से बडी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को सुभाष चौक से चार दरवाजा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के बडी चौपड पर पहुंचने से पूर्व रामगंज चौपड की तरफ से बडी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को रामगंज चौपड से घाट बाजार, गलता गेट व चार दरवाजा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के बडी चौपड पर पहुंचने से पूर्व छोटी चौपड की तरफ से बडी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को त्रिपोलिया टी पोईन्ट से चौडा रास्ता की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के त्रिपोलिया गेट पहुँचने से पूर्व छोटी चौपड से त्रिपोलिया टी-पाईट की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को छोटी चौपड एवं रामनिवास बाग चौराहा से चौडा रास्ता में आने वाले सामान्य यातायात रामनिवास बाग चौराहा से डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। नेहरू बाजार एवं बापू बाजार से चौडा रास्ता में जाने वाले सामान्य यातायात को न्यूगेट चौराहा से रामनिवास बाग चौराहा की तरफ संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा के छोटी चौपड पहुँचने से पूर्व संजय सर्किल, चौगान चौराहा व अजमेरी गेट की तरफ से छोटी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। शोभायात्रा चौगान चौराहा पर आने से पूर्व बारह भाईयों का चौराहा, लंगर के बालाजी, ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

मनोज सोगानी को मिली ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेड की मानद उपाधि

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

पर्यटन, व्यवसायिक विकास, सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शहर के वरिष्ठ समाजसेवी मनोज कुमार सोगानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। अमेरिका स्थित ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी (डेलावेयर, यूएसए) ने उन्हें मानद उपाधि डॉक्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें चेन्नई में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया। मनोज पिछले तीन दशकों से पर्यटन उद्योग में न केवल व्यवसायिक विकास बल्कि समाज हित, सांस्कृतिक प्रोत्साहन और धरोहर संरक्षण में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे है। उनके शोधपत्रों, लेखन कार्यों और निरंतर योगदान ने पर्यटन जगत और सामाजिक उत्थान को नई दिशा प्रदान की है। इस अवसर पर मनोज ने कहा कि यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं बल्कि पूरे जयपुर और राजस्थान की विरासत का सम्मान है। आने वाले समय में मैं पर्यटन, संस्कृति और समाज के लिए और अधिक समर्पित भाव से कार्य करता रहूंगा। गौरतलब है कि ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी विश्व स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को मानद उपाधि प्रदान करती है।

कल से 03 सितम्बर तक धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित गूँजेगी वीर गाथा और भक्ति रस

125वां तेजाजी जयंती महोत्सव का आगाज 29 अगस्त से: श्रृंगार, झांकियां और भजन संध्या से गूंजेगा मंदिर प्रांगण

■ मेले में आएगी विशाल ध्वज यात्रा
■ 3 सितम्बर को भव्य शोभायात्रा और ठाकुर जी का डोला बनेगा मुख्य आकर्षण
■ नवनिर्मित मंदिर के दर्शन को उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

पंडित (पुजारी) मूलचंद शर्मा

सत्यवादी वीर तेजाजी धाम और तेजेश्वर महादेव मंदिर (पुराना तेजाजी मंदिर मुख्य सोडाला जयपुर) में इस वर्ष तेजाजी जयंती महोत्सव का 125वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाएगा। यह भव्य आयोजन 29 अगस्त 2025 (शुक्रवार) से 03 सितम्बर 2025 (बुधवार) तक चलेगा। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्याएँ, वीर गाथा एवं भव्य शोभायात्रा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पंडित (पुजारी) मूलचंद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष तेजाजी जयंती महोत्सव का 125वां वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाएगा। जिसके चलते छह दिवसीय कार्यक्रमों का 29 अगस्त से महोत्सव का शुभारंभ होगा।

'तेजाजी महाराज की वीर गाथा का होगा आयोजन' जिसमें 29 अगस्त की शाम को पांच बजे तेजाजी महाराज की वीर गाथा का आयोजन होगा। 30 अगस्त को तेजाजी महाराज की बिंदोरी निकाली जाएगी। जो विभिन्न मांगों से होते हुए मंदिर प्रांगण पहुंचेगी। इस बिंदोरी में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु नाचते–गाते और बाबा के जयकारे लगाते हुए मंदिर में पहुंचेगे। इस दौरान इस विशाल डीजे बिंदौरी का जगह–जगह स्वागत किया जाएगा। 31 अगस्त की शाम को विशेष भजन संध्या (जागरण) होगा। जिसमें विभिन्न कलाकारों की ओर से तेजाजी महाराज के भजनों की प्रस्तुति देंगे।

सजेगी 125 भोग की विशेष झांकी, 2 सितम्बर को भरेगा तेजाजी महाराज का लक्खी मेला

'राधा कृष्ण, हनुमान जी, शिव पार्वती, अप्सरा, काली माँ सहित कई धार्मिक झांकियां होंगी विशेष' 1 सितम्बर को विशेष धार्मिक अनुष्ठान होगा और रात भर बाबा की ज्योत प्रज्वलित रहेंगी। वहीं तेजाजी जयंती महोत्सव का 125 वां वार्षिकोत्सव के तहत 125 भोगों की झांकी सजाई जाएगी। साथ ही संगीतमय भजन संध्या का आयोजन मोहन एण्ड पार्टी की ओर से किया जाएगा और साथ ही कई धार्मिक झांकियां होगी। इन धार्मिक झांकियों में विशेष राधा कृष्ण, हनुमान जी, शिव पार्वती, अप्सरा, काली माँ सहित कई धार्मिक झांकियाँ होंगी। वहीं वहीं बाबा का भव्य श्रृंगार राज डेकोरेटर्स की ओर से किया जाएगा। इस तेजाजी जयंती महोत्सव का 125वां वार्षिकोत्सव में विशेष आकर्षण नवनिर्मित मंदिर का भव्य दर्शन रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तगण एवं श्रद्धालु शामिल होंगे।

'तेजाजी महाराज का लक्खी मेला भरेगा 2 सितंबर को' लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज का लक्खी मेला 2 सितम्बर को बड़े धूमधाम से भरेगा। इस अवसर पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु तेजाजी महाराज के धाम पर पहुंचकर दर्शन करेंगे और आस्था का दीप प्रज्वलित करेंगे। मेला स्थल पर भक्तगण तेजाजी महाराज की पूजा-अर्चना कर मन्नत मांगेंगे। इस दौरान धार्मिक अनुष्ठान, भजन संध्या, शोभायात्रा सहित कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा कई ध्वज यात्राएं भी आएगी। इन ध्वज यात्राओं में कई जनप्रतिनिधि सहित स्थानीय नेता,समाजसेवी और गणमान्य लोग भी शामिल होंगे।

'3 सितम्बर को ठाकुर जी भव्य शोभायात्रा निकलेगी' वहीं 3 सितम्बर को ठाकुर जी भव्य शोभायात्रा (डोला) निकाली जाएगी।

शाम पांच बजे भक्तों के जयकारों और भक्ति संगीत के साथ यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और मार्ग में जगह-जगह फूलों से स्वागत किया जाएगा। धार्मिक उत्साह और आस्था के साथ नगर भक्तिमय वातावरण में डूब जाएगा।

मोती डूंगरी गणेश जी महाराज आज नगर भ्रमण पर निकलेंगे गणेश जी की शोभायात्रा में आएंगी नजर 85 झांकियां

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

मोती डूंगरी गणेश जी महाराज गुरुवार को नगर भ्रमण को निकलेंगे। यह शोभायात्रा गुरुवार शाम चार बजे मोती डूंगरी से रवाना होगी,जो मोती डूंगरी रोड, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार से गणगौरी बाजार होते हुए ब्रह्मपुरी से नाहरगढ़ की पहाड़ी पर विराजमान गढ़ गणेश मंदिर तक जाएगी।

इस शोभायात्रा का विशेष आकर्षण इलेक्ट्रॉनिक झांकियां होंगी। जिसमें प्रथम पूज्य को अलग-अलग मुद्राओं में दिखाया जाएगा। इस बार 25 स्वचालित और 60 सजीव व प्रतिमा स्वरूप झांकियां होंगी।

'मोबाइल से दूर रहने का संदेश देती गणेशजी की झांकी होगी विशेष' स्कूल व कॉलेज के बच्चों को मोबाइल से दूर रहने का संदेश देती गणेशजी की झांकी विशेष होगी। इसमें गणेश जी द्वारा मोबाइल फोन को बंधक बनाया हुआ है। यही नहीं एक अन्य झांकी में गणेशजी को किताब पढ़ते हुए और उनके साथ कई सारे बच्चों को लिखते हुए भी दिखाया जाएगा।

मोबाइल स्टोर,ऑटोमोबाइल शोरूम और इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठान का हुआ शुभारंभ, शहर भर के प्रमुख गणेश मंदिरों में भक्तों का जनसैलाब

छोटी काशी में गूंज गणपति के जयकारे, प्रदेश भर में घर -घर में लंबोदरा की पूजा-अर्चना

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

गणेश चतुर्थी पर छोटीकाशी गणेशमय हो उठी। हर ओर गणपति बप्पा मोरिया...जय गणेश का जयघोष सुनाई दिया। गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का जन्मोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया ही गया। जहां जयपुर में मोती डूंगरी गणेश मंदिर से लेकर, परकोटा गणेश मंदिर, नहर के गणेश और गढ़ गणेश मंदिर सहित अन्य गणेश मंदिरों में हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे और रिद्धि-सिद्धि के दाता के दर्शन किए। घर-घर में भी लंबोदर का पूजन हुआ। घर-घर में विघ्नहर्ता का भक्ति भाव से पूजन किया गया। घर के द्वार पर विराजित द्वारपाल गणेश का जल, पंचामृत से अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण गया । डंका अर्पित कर लड्डू-गुड़धानी का भोग लगाया गया। परिवार के सभी लोगों ने आरती उतारी। गणेश चतुर्थी पर अनेक शुभ योग बनने से गणेशोत्सव के प्रति लोगों को उत्साह साफ दिख रहा था। रवि योग–सर्वार्थ सिद्धि योग और लक्ष्मी नारायण योग के साथ बुधवार को गणेश चतुर्थी होने से हर घर में गणेश पूजन हुआ। बुध ग्रह बुद्धि, वाणी, गणित, व्यापार और तर्कशक्ति का कारक माना गया है। बुधवार को सूर्य और केतु की युति रही। साथ ही चंद्रमा और मंगल की युति से लक्ष्मी योग भी बना।

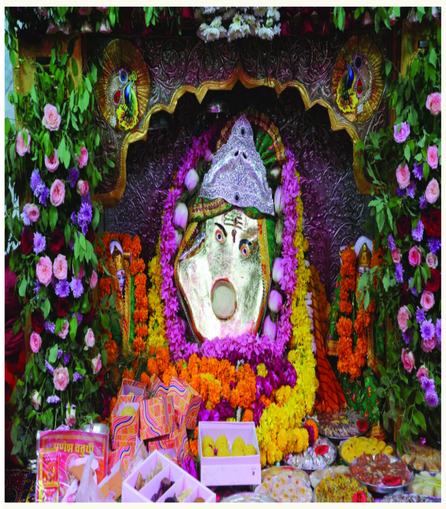

'प्रतिष्ठानों के उद्घाटन की रही धूम' गणेश चतुर्थी के अबूझ शुभ मुहूर्त में हजारों की संख्या में व्यापारिक प्रतिष्ठानों का शुभारंभ हुआ। इनमें मोबाइल स्टोर, ऑटोमोबाइल शोरूम, इलेक्ट्रॉनिक सामान के प्रतिष्ठान प्रमुख हैं। नवीन प्रतिष्ठानों को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया। पंडितजी ने पूजा-अर्चना कराई और उपस्थित लोगों को अल्पाहार कराया गया।

'जमकर बिके वाहन सहित अन्य सामान' गणेश चतुर्थी के मौके पर लगभग सभी बाजारों में भारी रौनक रही। लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे लोगों ने बुधवार को वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, शादी-सगाई के लिए ज्वेलरी खरीदी। लोगों ने फ्लैट और प्लॉट भी खरीदे। ज्यादा से ज्यादा बिक्री के लिए कंपनियों ने आकर्षक ऑफर भी दिए।

'मोती डूंगरी गणेश मंदिर में स्वर्ण मुकुट और पारंपरिक नौलखा श्रृंगार से अलंकृत दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह' छोटीकाशी के सभी गणेश मंदिरों में सुबह से देर रात तक लाखों श्रद्धालुओं ने प्रथम पूज्य के दर्शन किए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि स्वर्ण मुकुट और पारंपरिक नौलखा श्रृंगार से अलंकृत गणेश जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखा। सुबह चार बजे जैसे ही मंगला झांकी के लिए मंदिर के पट खुले तो हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा से जयघोष से मंदिर के आसपास के पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

'मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में किए दर्शन' मोती डूंगरी गणेश मंदिर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पत्नी के साथ दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान ग्रेटर नगर निगम मेयर सौम्या गुर्जर भी साथ रही। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने मुख्यमंत्री शर्मा के परिवार के नाम से विधि विधान से पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद महंत कैलाश शर्मा ने सीएम और उनकी पत्नी को चुनरी ओढ़ाई।वहीं सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा सुबह मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने गोपाल शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। गोपाल शर्मा ने पूजा-अर्चना कर गणपति से सभी की खुशहाली की कामना की। साथ ही कश्मीर में भूस्खलन से मारे गए लोगों की आत्मशांति तथा घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जयपुर नगर हेरिटेज की महापौर कुसुम यादव सहित कई अन्य विशिष्ट जन भी मोती डूंगरी गणेश जी के दर्शन करने पहुंचे।

'सिद्धी विनायक का 21 किलो पंचामृत से किया अभिषेक' नाहरगढ़ की पहाड़ी पर स्थित जयपुर स्थापना से पूर्व के गढ़ गणेश मंदिर की 365 सीढियां चढ़कर श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे।

महंत प्रदीप औदीच्य के सान्निध्य में बाल स्वरूप पुरुषाकृति गणपति का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। फूलों की पोशाक धारण कराई गई। गुड़धानी और लड्डू का भोग लगाया गया। गोविंद देवजी मंदिर ठिकाने के आमेर रोड कनक घाटी स्थित सिद्धिविनायक गणेश जी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में प्रथम पूज्य का 21 किलो पंचामृत, फलों के रस , केसर जल अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया गया। नवीन पोशाक धारण कराकर ऋतु पुष्पों से श्रृंगार किया गया। गुड़धानी, मोदक, पांच तरह के फल सहित अनेक प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया।

'गणेश मंदिरों में हजारों की संख्या में भक्त पहुंचे' सूरजपोल के श्वेत सिद्धि विनायक मंदिर में श्रद्धालुओं ने दुर्वांकुर अर्पित कर गणेश जी की वंदना की। माउंट रोड ब्रह्मपुरी स्थित नहर के गणेश मंदिर में महंत जय शर्मा के सान्निध्य में तीन दिवसीय गणेश जन्मोत्सव के तहत तीसरे दिन बुधवार को मुख्य उत्सव गणेश उत्सव मनाया गया। विशेष पोशाक और आभूषणों से सुसज्जित झांकी के दर्शन करने श्रद्धालु उमड़ पड़े। चांदपोल परकोटा गणेश मंदिर में महंत अमित शर्मा के सान्निध्य में गणेश चतुर्थी मनाई गई। सुबह पंचामृत से गणेश जी का जन्माभिषेक किया गया। फूलों से श्रृंगार किया गया। गलता गेट स्थित गीता गायत्री गणेश मंदिर में पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में गणेश चतुर्थी पर्व धूमधाम से मनाया गया। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में महागणपति महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। बड़ी चौपड़ स्थित ध्वजा धीश गणेश जी, चौड़ा रास्ता स्थित काले गणेश जी, आगरा रोड स्थित गंगोत्री गणेश सहित अन्य गणेश मंदिरों में भी बुधवार को गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री बालाजी जन कल्याण ट्रस्ट के तत्वावधान में खिरनी फाटक झोटवाड़ा स्थित रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर में श्री गणेश जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह जन्माभिषेक कर पंचोपचार पूजन किया गया।

'बंगाली बाबा मंदिर में गणेश चतुर्थी दर्शनों के लिए दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता' दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में बुधवार को गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जहां प्रथम पूज्य का श्रृंगार भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा,वहीं ख्यातिप्राप्त भजन कलाकारों ने प्रथम पूज्य को रिझाया। इस दौरान गणेश भगवान के दर्शनार्थ भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि गणेश चतुर्थी के तहत होने वाले कार्यक्रमों का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण के बीच प्रथम पूज्य का मोदक अर्पित किए गए। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इसके बाद प्रथम पूज्य के समक्ष लड्डुओं की झांकी सजाई गई। इस दौरान मंदिर में आने वाले भक्तों को प्रसादी भी वितरित की गई। महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत प्रथम पूज्य का फूल बंगले में विराजमान किया जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा।सुबह से देर रात तक आसपास के भक्त प्रथम पूज्य के दर्शनों के लिए आते रहे। इस दिन शाम को भजन संध्या का आयोजन हुआ,जिसमें स्थानीय भजन मंडलियां भजनों से अपने आराध्य को रिझाया।

'महाराष्ट्र की तर्ज पर राजधानी में जगह-जगह गणेशोत्सव की धूम' महाराष्ट्र की तर्ज पर राजधानी में विभिन्न स्थानों पर गणेश जी के पंडाल सज गए। आवासीय सोसायटियां में गणेशोत्सव की शुरुआत गणेश चतुर्थी से हुई। प्रतिदिन पूजा-अर्चना, महाप्रसाद वितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। गणेशजी के कुछ पांडाल 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर सजाए गए हैं। देश की सुरक्षा और शौर्य को समर्पित इस थीम के अलावा विकसित भारत की थीम पर भी गणेश पंडाल सजाए गए है। राष्ट्रभक्ति और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश भी दिए जा रहे हैं। पूजा पांडालों में इको फ्रेंडली गणेश मूर्तियां विराजमान की गई है। बुधवार को शोभायात्रा और कलश यात्रा के रूप में गणपति को लाया गया। इसी कड़ी में बनीपार्क स्थित माधव विलास में बुधवार को गणपति उत्सव का श्रीगणेश हुआ। महामंडलेश्वर आचार्य नमर्दाशंकरपुरी महाराज, सालासर धाम के पुजारी डॉ. विष्णुदत्त, त्रिवेणी धाम के नरसिंह दास, गायत्री चेतना केंद्र मुरलीपुरा के मनु महाराज, बोहरा जी की बावड़ी के गोपाल दास महाराज, के सानिध्य में आचार्य राजेश पुजारी ने विधि विधान से माधव विलास चा राजा की स्थापना की। इससे पूर्व माधव विलास के शिव मंदिर से गणपति बाप्पा का आगमन हुआ। दोपहर को अभिजीत मुहूर्त में गणपति की स्थापना की गई। ऊषा ओमप्रकाश मालपानी एवं अन्य ने महाआरती कर प्रसाद वितरण किया। यहां 6 सितम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 12÷15 बजे एवं शाम 7÷15 बजे नित्य आरती होगी। उत्सव का समापन 6 सितंबर को शाम 4÷15 बजे मह आरती के साथ होगा। शाम 5÷15 बजे माधव सिंह सर्किल से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शाम 7÷15 बजे माधव विलास गार्डन में गणपति विसर्जन किया जाएगा। सीकर रोड ढहर के बालाजी के परसराम नगर स्थित श्रीमन्न नारायण धाम में गणपति की स्थापना की गई। तरुण भारती, डॉ. दीपिका शर्मा एवं ने विधि विधान से पूजन कर सभी की खुशहाली की कामना की। विद्याधर नगर, वैशाली नगर, राजा पार्क, झोटवाड़ा, प्रतापनगर, मानसरोवर, मालवीय नगर सहित अनेक उप क्षेत्रीय कॉलोनियों में सामूहिक रूप से गणपति की स्थापना की गई।

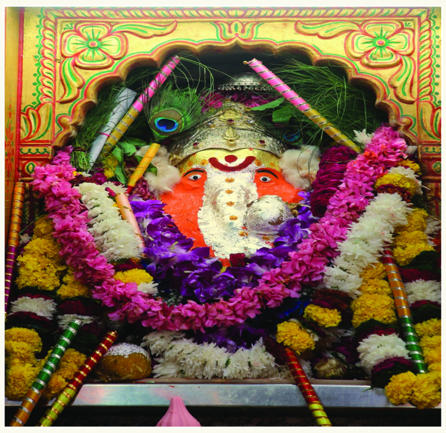

'मिट्टी से बने गणेश जी घर ले जा रहे' इस बार पर्यावरण बचाओ के संदेश के साथ लोग घरों पर मिट्टी के गणेश ही लेकर गए है। ऐसे में पिछले साल के मुकाबले पीओपी से बने गणेश जी की मूर्ति की खरीदारी कम हो गई है। जयपुर में मूर्ति बनाने वाले कारीगर भी अब मिट्टी के ही गणेश बेच रहे हैं।

'गंगापोल दरवाजे पर विराजमान गणेश जी की विधायक बालमुकुंद आचार्य ने की पूजा' गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर जयपुर के पुराने शहर स्थित गंगापोल दरवाजे पर विराजमान प्रथमेश गणपति का ढोल, नगाड़े के साथ पूजन किया गया। इस दौरान हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक बालमुकुंद आचार्य क्रेन पर सवार होकर भगवान का पूजन करने पहुंचे। उन्होंने क्रेन में चढ़कर भगवान गणेश की पूजा अर्चना की।

'नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणेश चतुर्थी पर्व' नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर गणेश चतुर्थी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्थापित गणपति की प्रतिमा की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर चैयरमेन एवं पार्षद रमेश चन्द्र सैनी, रामकिशोर प्रजापत, महेश कुमार संघी, इन्द्र प्रकाश धाभाई, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी सहित निगम के आला अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

'ध्वजाधीश गणेश मंदिर में भी उमड़े श्रद्धालु' बड़ी चौपड़ स्थित ध्वजाधीश गणेश मंदिर में भी सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान के दर्शनों को यहां पहुंची है। इन्हें झंडे वाले गणेश के नाम से भी पुकारा जाता है।

'नहर के गणेश जी को सोने चांदी और रत्न जड़ित राजशाही - पोशाक धारण करवाई' ब्रह्मपुरी माउंट रोड़ पर स्थित नगर के अति प्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेश के महंत पंडित जय शर्मा ने बताया - भगवान गणेश का आज जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भगवान को विशेष रूप से हाथ से सोने चांदी और रत्न जड़ित राजशाही - पोशाक धारण करवाई गई।

च्सवा 7 बजे नियमित आरती के बाद सुबह 9 बजे वैदिक मंत्रों से भगवान को दूर्वा अर्पित किया गया। भगवान का सुबह 11.30 बजे जन्माभिषेक कर छप्पन भोग लगाए गए। शाम को मंदिर के बाहर बैंड बाजे के साथ भव्य आतिशबाजी की गई।

मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में किए दर्शन

प्रदेश की खुशहाली के लिए की कामना, भगवान गणेश सुख और समृद्धि के दाता : मुख्यमंत्री शर्मा

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश सुख और समृद्धि के दाता हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश सुख और समृद्धि के दाता हैं। प्रदेश में इस बार अच्छी बारिश हो रही है तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान की ओर आगे बढ़ रहा है। साथ ही, किसान, महिला, युवा और गरीब के विकास से विकसित राजस्थान के संकल्प को गति

मिल रही है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास से गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया जाता है। शर्मा ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए। इस दौरान जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक

आमजन को सुलभ एवं किफायती परिवहन सेवाए उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता : डॉ. प्रेमचंद बैरवा

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने रोडवेज की विस्तृत कार्यप्रणाली, यात्री सुविधाओं, राजस्व वृद्धि तथा बजट घोषणाओं से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोडवेज की ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सरल बनाया जाए। मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से यात्रियों को सहज सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए तकनीकी उन्नयन किया जाए। उन्होंने बस स्टैंडों का नवीनीकरण व सौंदर्यीकरण और बस स्टैंड पर स्वच्छ शौचालय, स्वच्छ पेयजल, आरामदायक प्रतीक्षालय, डिजिटल सूचना पट्ट एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने निगम वित्तीय व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस रणनीति बनाकर संसाधनों का उचित उपयोग, अनुशासनात्मक व्यवस्था, राजस्व रिसाव पर नियंत्रण तथा संचालन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस चालकों एवं परिचालकों को निर्देश दिए जाये कि सभी बसें निर्धारित समय पर ही बस स्टैंड से संचालित हों इससे यात्रियों का रोडवेज पर विश्वास बढ़ेगा।

कल राजकीय महाविद्यालय, बगरू में रोजगार सहायता शिविर

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

29 अगस्त को प्रातः 10 बजे से जयपुर जिले के बगरू स्थित राजकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर लगेगा। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित होने वाले इस शिविर में विनिर्माण, लॉजिस्टिक, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, सिक्योरिटी, कॉल सेन्टर, बीमा आदि क्षेत्रों की लगभग 50 कम्पनियां मौके पर युवा आशार्थियों का साक्षात्कार लेकर प्राथमिक चयन करेंगी। 10वीं, 12वीं, स्नातक व स्नातकोत्तर पास, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक आदि क्षेत्रों के रोजगार के इच्छुक बेरोजगार युवाओं के लिए इस रोजगार सहायता शिविर में रिक्तियाँ हैं। योग्यताधारी आशार्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की मूल व छाया प्रति के साथ इस रोजगार मेले में आएं और इसका लाभ उठाये। रोजगार कार्यालय की उपनिदेशक नवरेखा ने बताया कि शिविर में विभिन्न सरकारी विभाग आशार्थियों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देंगे। शिविर में पंजीयन के लिए एक क्यूआर कोड जारी किया गया है जो इस प्रेस विज्ञप्ति के साथ संलग्न है।

नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणेश चतुर्थी पर्व

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर गणेश चतुर्थी पर्व गुरूवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय पर स्थापित गणपति की प्रतिमा की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की। इस अवसर पर चैयरमेन एवं पार्षदगण श्री रमेश चन्द्र सैनी, श्री रामकिशोर प्रजापत, महेश कुमार संघी, श्री इन्द्र प्रकाश धाभाई, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी सहित निगम के आलाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आरएएस भर्ती-2023 साक्षात्कार: आयोग करा रहा संदिग्ध दिव्यांग प्रमाण-पत्रों की जांच

- अभ्यर्थी श्रेणी परिवर्तन के दे रहे प्राथना पत्र
- निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का संवर्धन - उत्कल रंजन साहू अध्यक्ष आरपीएससी
- गहन सत्यापन-निष्पक्ष चयन

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आरएएस भर्ती परीक्षा-2023 के साक्षात्कार के दौरान संदिग्ध दिव्यांग प्रमाण-पत्रों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्रों के बढ़ते मामलों को देखते हुए आयोग ने पहली बार इस भर्ती प्रक्रिया में दिव्यांग अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच का प्रावधान किया है। इस कदम से फर्जी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने वाले अभ्यर्थी बाहर होंगे और पात्र अभ्यर्थियों के अधिकारों की रक्षा होगी। आयोग के इस कदम से अनेक संदिग्ध अभ्यर्थियों ने मेडिकल जांच से दूरी बना ली है। आयोग के समक्ष ऐसे कई मामले आ रहे हैं, जहां निर्धारित तिथि पर भी संबंधित अभ्यर्थी मेडिकल जांच के लिए मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित नहीं हुए।

गौरतलब है कि कई अभ्यर्थियों ने आयोग को प्रार्थना-पत्र देकर अपनी श्रेणी को दिव्यांग से सामान्य या अन्य श्रेणी में बदलने की गुहार लगाई है। आयोग की जांच में यह भी सामने आया है कि इनमें से कई अभ्यर्थी पहले से ही राजकीय सेवाओं में तृतीय श्रेणी शिक्षक, पटवारी या अन्य पदों पर कार्यरत हैं। इनकी पिछली सरकारी नियुक्तियां भी दिव्यांग श्रेणी कोटे से हुई हैं। ऐसे अभ्यर्थी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के सहारे न केवल एक बार, बल्कि बार-बार आरक्षण का दुरुपयोग कर रहे थे। आयोग ने ऐसे अभ्यर्थियों के प्रशासनिक विभागों को भी पत्र लिखकर उनकी दिव्यांगता की दोबारा जांच कराने के संबंध में लिखा है।

दिव्यांग प्रमाण पत्र जाँच की इस कार्यवाही से आयोग की निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सवंर्धित होगी, साथ ही फर्जी प्रमाण-पत्रों के बूते दिव्यांग एवं अन्य श्रेणियों में अनुचित लाभ प्राप्त कर पहले ही सरकारी सेवा में बैठे लोगों पर भी शिकंजा कसेगा।

आयोग सचिव के अनुसार फर्जी प्रमाण-पत्रों का इस्तेमाल वास्तविक एवं पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों के अधिकारों तथा अवसरों का हनन करता है। आयोग अब केवल दस्तावेजों की सतही जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि गहन सत्यापन के माध्यम से पात्र व्यक्तियों का ही चयन सुनिश्चित कर रहा है। आयोग के निर्देशों की अवेहलना करते हुए मेडिकल जांच के लिए उपस्थित नहीं होने वाले अभ्यर्थियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रक्षा मंत्रालय ने पूर्व सैनिक कल्याण सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए क्यूसीआई के साथ हस्ताक्षर किए

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

सेवा में गुणवत्ता - पूर्व सैनिकों के लिए सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, रक्षा मंत्रालय के पूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) ने 63 लाख से अधिक पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए पेंशन, स्वास्थ्य सेवा, पुनर्वास और कल्याण सेवाओं के वितरण को मजबूत करने के लिए 26 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत गुणवत्ता परिषद डिजिटल मूल्यांकन, प्रभाव आकलन और साक्ष्य-आधारित नीतिगत सिफारिशों में पूर्व सैनिक कल्याण विभाग का सहयोग करेगा, जबकि पूर्व सैनिक कल्याण विभाग राज्य सरकारों, जिला सैनिक बोर्डों, सशस्त्र बल मुख्यालयों और सूचीबद्ध अस्पतालों के साथ डेटा तक पहुंच और हितधारक समन्वय को सुगम बनाएगा। यह पहल स्वास्थ्य सेवा वितरण को भी मजबूत करेगी, पूर्व सैनिकों के लिए पुनर्नियोजन और उद्यमिता के अवसरों का विस्तार करेगी, और राज्य एवं जिला सैनिक बोर्डों के संस्थागत ढांचों को सुदृढ़ करेगी। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा ने हस्ताक्षर समारोह में पहुंच बढ़ाने और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म, एआई अनुप्रयोगों और सोशल मीडिया के महत्व पर ज़ोर दिया।

डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला
डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने आज बुधवार को सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन के कक्ष संख्या 6010 में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान उनके परिजन भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के पुनर्गठन और ऋण अवधि को 31 दिसंबर 2024 से आगे बढ़ाने को मंजूरी दी

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना' के पुनर्गठन और ऋण अवधि को 31 दिसंबर 2024 से आगे बढ़ाने को मंजूरी दी है। यह ऋण अवधि अब 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना का कुल परिव्यय 7,332 करोड़ रुपए है। पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए लाभार्थियों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ देना है। इस योजना के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी, आवास एवं शहरी मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) पर संयुक्त रूप से रहेगी। इसमें डीएफएस की भूमिका, बैंकों/वित्तीय संस्थानों और उनके जमीनी स्तर के अधिकारियों के माध्यम से ऋण/क्रेडिट कार्ड तक पहुंच को सुविधाजनक बनाने की रहेगी। पुनर्गठित योजना की प्रमुख विशेषताओं में पहली और दूसरी किस्त में बढ़ी हुई ऋण राशि, दूसरा ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों के लिए यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड का प्रावधान और खुदरा एवं थोक लेनदेन के लिए डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन शामिल हैं। इस योजना का दायरा चरणबद्ध तरीके से जनगणना कस्बों व अर्ध-शहरी क्षेत्रों आदि बढ़ाया जा रहा है।

निवेशक फ्रैंडली डोमेन होने से निवेश और राजस्व में होगी बढ़ोतरी

खान विभाग का डेटा डोमेन पर उपलब्ध होना ईज ऑफ डूइंग की दिशा में बढ़ता कदम होगा : टी. रविकान्त

- संबंधित विभागों के बीच होगा बेहतर समन्वय, ओवरलेपिंग की समस्या होगी समाप्त

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

प्रमुख सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने कहा है कि राज्य की खनिज संपदा का डेटा डोमेन उपलब्ध होना माइनिंग सेक्टर में ईज ऑफ डूइंग की दिशा में बढ़ता महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग से इस तरह के मॉड्यूल तैयार करवाये जा रहे हैं जिससे ओवरलेपिंग के स्थिति ना आयें और प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में निवेशकों को आकर्षित करने में सहायक हो सके। विभाग द्वारा इस दिशा में डीओआईटी के साथ मिलकर काम में तेजी लाई गई है और आने वाले दो से तीन माह में यह कार्य धरातल पर आ जाएगा।

उन्होंने कहा कि डोमेन पर उपलब्ध मिनरल डेटा को राजधरा पोर्टल और केन्द्र सरकार के प्रधानमंत्री गति शक्ति पोर्टल से इंटीग्रेट किया जाएगा।प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त बुधवार को सचिवालय में माइंस डेटा डोमेन के मॉड्यूल्स कार्य की प्रगति की नोडल अधिकारी अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक जैन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों के साथ प्रगति समीक्षा कर रहे थे।

जयपुर में गूंजी नारी शक्ति की आवाज -आत्मरक्षा प्रशिक्षण से 2000 से अधिक राजीविका की एसएचजी महिलाएं हुई सशक्त

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

महिलाओं की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सशक्त नारी, जिम्मेदारी हमारी अभियान के अंतर्गत राजस्थान पुलिस विभाग और राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएँ और सुरक्षा सखियाँ शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना हैं।प्रशिक्षण में महिलाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे अवांछित स्पर्श, और उत्पीड़न से बचाव के लिए आवश्यक तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। कई प्रतिभागियों ने मंच पर आकर इन तकनीकों को आज़माया और आत्मरक्षा के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।प्रशिक्षण के दौरान जयपुर पुलिस द्वारा राजकॉप ऐप का परिचय कराया गया। इस ऐप को महिलाओं के लिए 24×7 सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत किया गया। मंच पर एक प्रतिभागी महिला को बुलाकर लाइव डेमो कराया गया, जिसमें नीड हेल्प बटन दबाते ही कुछ ही मिनटों में पुलिस सहायता केंद्र से कॉल रिस्पॉन्स प्राप्त हुआ। इस सफल प्रदर्शन ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया और सभी प्रतिभागियों ने ऐप डाउनलोड किया। पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानूनी ढांचे तक सीमित नहीं है बल्कि सामुदायिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण से भी जुड़ी हुई है। कार्यक्रम ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाएँ जागरूक हों, आत्मनिर्भर बनें और कानून तथा तकनीक दोनों का लाभ उठाएँ।कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं ने आत्मरक्षा तकनीकों और राजकॉप ऐप के डेमो की खुलकर सराहना की। प्रतिभागियों ने माना कि इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती हैं बल्कि समाज में सुरक्षा का वातावरण भी बनाती हैं।राजस्थान पुलिस और राजीविका द्वारा इस प्रकार के आत्मरक्षा और जेंडर जागरूकता कार्यक्रम पूरे राज्य में नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। आने वाले महीनों में विभिन्न जिलों में इसी तरह की कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने की योजना है।

इसका उद्देश्य महिलाओं को कानूनी जानकारी, आत्मरक्षा तकनीक और डिजिटल सुरक्षा साधनों से लैस करना है ताकि हर महिला अपने अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग हो सके। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुनीता मीणा एंव राजीविका की प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रीति सिंह समेत कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया।

गृह राज्यमंत्री जवाहर बेढम के जन्मदिन पर लगेंगे रक्तदान और मेडिकल कैंप, लोगों को मिलेगी मुफ्त सेवा

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

राजस्थान के गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के जन्मदिन के अवसर पर लोगों की सेवा के लिए दो महत्वपूर्ण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 1 सितंबर, सोमवार को जड़खोर धाम में रक्तदान और मेडिकल स्वास्थ्य सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में क्षेत्र के लोगों को सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं पूरी तरह से निशुल्क प्रदान की जाएंगी। मेडिकल स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद रहेंगे।

इनमें जनरल फिजिशियन, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, और कान-नाक-गला विशेषज्ञ शामिल होंगे।इसके अलावा, शिविर में मरीजों की कई महत्वपूर्ण जांचें भी मौके पर ही निशुल्क की जाएंगी।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025: श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली सहकारी समितियां राज्य स्तर पर होंगी पुरस्कृत

- प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रही समितियों को मिलेंगे नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र
- 15 सांत्वना पुरस्कार भी किए जाएंगे प्रदान
- एनसीडी पोर्टल पर प्रदर्शित रैंकिंग के आधार पर होगा चयन

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 तथा 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली राज्य की पैक्स/लैम्प्स को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरस्कार का प्रावधान किए जाने से सहकारी समितियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी और वे पूरी क्षमता से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की दिशा में अग्रसर होंगी।

राजपाल ने बताया कि एनसीडी पोर्टल पर प्रदर्शित अंकों के आधार पर रैंकिंग में वरीयता प्राप्त करने वाली पैक्स/लैम्प्स को वर्ष के अंत में नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 21 हजार रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी।उन्होंने कहा कि पुरस्कार का प्रावधान किए जाने से सहकारी समितियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी और वे पूरी क्षमता से श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की दिशा में अग्रसर होंगी। राजपाल ने बताया कि एनसीडी पोर्टल पर प्रदर्शित अंकों के आधार पर रैंकिंग में वरीयता प्राप्त करने वाली पैक्स/लैम्प्स को वर्ष के अंत में नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 51 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 31 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली समिति को 21 हजार रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। साथ ही, 15 समितियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 5100 रुपये की राशि प्रति पैक्स प्रदान की जाएगी।

पुरस्कार की पात्रता के लिए यह अनिवार्य होगा कि समिति द्वारा न्यूनतम तीन गैर ऋण गतिविधियां कर उनसे आय अर्जित की गई हो, वर्ष 2024-25 का लेखा परीक्षण करवा लिया गया हो तथा बहुराज्यीय सहकारी समितियों बीबीएसएसएल, एनसीओएल एवं एनसीईएल की सदस्यता ली गई हो। एनसीडी पोर्टल पर पांच घटकों (पहचान, गतिविधियां, भौतिक संरचना, वित्तीय प्रदर्शन एवं लेखा परीक्षण) के अनुसार 100 अंकों में से प्राप्तांकों के आधार पर सहकारी समितियों की रैंकिंग निर्धारित की जाती है, जिसके माध्यम से पुरस्कार हेतु समितियों का चयन किया जाएगा।

मध्य प्रदेश ने पर्यटन क्षेत्र में राजस्थान को भी पीछे छोड़ दिया : शेखावत

■ नवश्रेय टाईम्स , जयपुर

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उज्जैन में आयोजित द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन 'रूह mantic' में मध्य प्रदेश में बढ़ते पर्यटन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि कभी राजस्थान के टूरिज्म सेक्टर में सबसे अच्छी निवेश नीति थी, लेकिन बुधवार को मध्य प्रदेश ने राजस्थान को भी पीछे छोड़ दिया है। मध्य प्रदेश हार्ट ऑफ इंक्रेडिवल इंडिया है। मध्य प्रदेश के पास टूरिज्म सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं।

भारत के पास दुनिया की सबसे प्रचीन परंपरा और विरासत है। केन्द्रीय मंत्री बुधवार को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ उज्जैन में आयोजित द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन 'रूह mantic' का दीप प्रवलन कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देश-विदेश के 300 से अधिक आध्यात्मिक गुरू, विचारक और विशेषज्ञ शामिल हुए। मुख्य वक्ता के रूप में आध्यात्मिक गुरु गौरांग दास ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

सम्मेलन में 12 ज्योतिर्लिंगों, मंदिर अर्थव्यवस्थाओं और उज्जैन की आध्यात्मिक शक्ति पर विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है।

देश में घरेलू पर्यटन बढ़ रहा है। उज्जैन में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। पहले जितने लोग साल भर में आते थे, उतने अब एक से डेढ़ हफ्ते में आ जाते हैं। आज हर स्तर की पर्यटन संभावनाएं विकसित करने के लिए राज्यों के बीच गला काट प्रतियोगिता चल रही है। दुनियाभर से हज करने जाने वाले कुल लोग एक करोड़ 80 लाख हैं। उमरा करने के नाम पर जो लोग जाते हैं वो 10 मिलियन हैं। ये आंकड़े उज्जैन के साथ तुलना करूं तो कितने लोग हमारे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सॉफ्ट पावर हमारी ताकत बनेगी। इस संकल्प के साथ सभी को जुट जाने की आवश्यकता है। चुनौतियां हैं लेकिन ये सिर्फ हमारे सामने नहीं हैं बल्कि पूरे विश्व के सामने हैं। हम एक तरफ आर्थिक, सामाजिक और सामरिक नजरिए से भी प्रगति कर रहे हैं। इसके साथ ही कल्चरल गुड्स को रिवाइव करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीर्थाटन और संत परंपरा ने भारत को एक बनाने का काम किया है।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने उज्जैन में द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन का किया शुभारंभ

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा पर्यटन मंत्रालय और मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के सहयोग से होटल अंजु में आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का काल भारत का है। दुनिया भारत की तरफ देख रही है। जिस प्रकार पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण हर तरफ से सुखद समाचार आ रहा है, जो हमसे अपने-आपको प्रतियोगी मान रहे हैं, लेकिन वे असुरक्षा में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बाबा महाकाल से लेकर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का काम कर रही है। ऐसे में सेवा के काम कौन-कौन से हो सकते हैं और आने वाले दिनों में यात्रियों की सुविधाओं का सभी प्रकार से कैसे ध्यान रखा जाए। इन सारी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा के लिए दिनभर सत्र चलेंगे। आज केन्द्रीय पर्यटन मंत्री ने कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के माध्यम से देश में आ रहे परिवर्तन के दौर की बात विस्तार से रखी है। हमें बड़ी-बड़ी सौगात आपके माध्यम से मिल रही हैं। आध्यात्मिक गुरु गौरांग दास महाराज ने कहा कि स्पिरिचुअल टूरिज्म के लिए विश्व में 10 शहर लोकप्रिय हैं। इनमें भारत के चार शहर हैं। इनमें से तीन नार्थ इंडिया के हैं। प्रयागराज, अयोध्या में हर साल 5 करोड़ लोग आते हैं। तीसरा शहर है तिरुपति जहां तीन से चार करोड़ लोग हर साल पहुंचते हैं। चौथा शहर है वाराणसी। अभी तक मध्य प्रदेश का कोई शहर इसमें नहीं है। हमारी हार्दिक इच्छा है कि मुख्यमंत्री की पहल से जल्द ही उज्जैन का नाम इन शहरों में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि आज से 20 साल पहले जब उज्जैन में इस्कॉन मंदिर आने वाला था तब हमारे यहां 500 करोड़ का एक प्रकल्प प्लानिंग में था। लेकिन कुछ कारणवश वो प्रकल्प नहीं हो पाया। उस समय हमारे गुरु महाराज ने निर्णय लिया कि मध्यप्रदेश नहीं तो कहीं और लेकर आएंगे। तब मुख्यमंत्री उज्जैन डेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन थे। उन्होंने हमारे महाराज से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया और अनुरोध किया कि मध्य प्रदेश के लिए यह बहुत जरूरी है कि यह संस्था आए। उन्होंने कहा कि विश्व में कई सारे शहर हैं जो कुछ विशेष योजनाओं के लिए विकसित किए गए हैं, जैसे लॉस बेगॉस। यह इंटरटेनमेंट और नाइट लाइफ के लिए जाना जाता है।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रेखा गौड़ के लिए महारानी प्रिन्टर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर में मुदित एवं प्लाट नं. एसबी-7, रजनी विहार, हीरापुरा, अजमेर रोड, जयपुर-302024 से प्रकाशित ।
(पी.आर. बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

CMYk